बी.ए. भाग-३ हिंदी साहित्य का इतिहास (सत्र-६ प्रश्नपत्र ७४)
वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी (प्रो.डॉ. किशोर पवार) दहिवडी कॉलेज
प्रकरण - रीतिकाल - नामकरण

प्रश्न ① रीतिकालीन साहित्य का जीवन के प्रति ---- दृष्टिकोन रहा है।
→ भौतिक

② रीतिकालीन साहित्यकारों में कवि कर्म तथा आचार्य कर्म की परिणति (परिणाम/प्रभाव) ---- प्रदर्शन की प्रबलभावना के कारण हुई।
→ पांडित्य

③ रीतिकालीन कवि ने काव्य को शुद्ध ---- के रूप में ग्रहण किया था।
→ कला

④ रीतिकालीन कवियों को ---- वर्गों में विभाजित किया जाता है।
→ तीन (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त)

⑤ रीतिकालीन काव्य ---- नई दृष्टि का परिचायक था।
→ ऐहिकतामूलक

⑥ यह दरबारी संस्कृति से प्रभावित धारा होने से इसमें --- विलासिता आ गई थी।
→ विलासिता

⑦ इसे मिश्रबंधुओं ने ---- के नाम से अभिहित किया।
→ अलंकृत काल

⑧ आ. रामचंद्र शुक्ल ने ---- नाम से पुकारा है।
→ रीतिकाल

⑨ शुक्ल जी इस काल का उल्लेख ---- नाम से भी करते हैं।
→ उत्तर मध्यकाल

⑩ पं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र इसे ---- कहते हैं।
→ शृंगारकाल

⑪ रामशंकर शुक्ल 'रसाल' ने इसे ---- कहा है।
→ कलाकाल

⑫ सर्वप्रथम मिश्रबंधुओं ने अलंकरण प्रवृत्ति प्रधानता से इसे अपने ग्रंथ ---- में इसे अलंकृत काल नाम दिया है।
→ मिश्र बंधु विनोद

⑬ आ. रामचंद्र ने रीतिकाल की सीमा ---- निर्धारित की है।
→ संवत् १७०० से १९००.

Scanned by CamScanner